Anand
DATE :
PAGE NO. :

ऑडियो-विडियो रिकॉर्डिंग और कलाकार विवरण पत्र-
फोल्डर नं. 10 दिनांक 15/04/2021
ट्रैक नं. 24 स्थान बड़नावा-चारणान
ट्रैक समयावधि
कलाकार ~~विवरण पत्र~~- का नाम- सफीखां (~~वाद्य~~ गायन/वादन)
पिता का नाम- फकीर खां
पता → गांव बड़नावा-चारणान ते० फागदरा जिला बाड़मेर
सहायक कलाकार- (वाद्य/यंत्र)
(1) समदर खां
ओडियो रिकॉर्डिंग का समय
विषय - कथा (ओनाड़ सिंह)
विशेष-विवरण-

विशेष-विवरण - यह कथा एक राजा के कवर ओनाड़ सिंह के जीवन पर आधारित है। बात उस समय की है जब ओनाड सिंह अपनी जवानी के दिनों मे होते है। और तोमाती नगरी शहर से उसके लिए विवाह का प्रस्ताव आता है। और विवाह हो जाता है। विवाह करके राज कुमार वहां से निकल जाता है जैसे ही उस स्त्री का कदम तो ताम तलाव मे पड़ता है तो उसका पानी सुखने लगता तो गांव के बुढे बुजर्ग से पूछा जाता है तो वह केहते कि इस स्त्री को पानी के अन्दर एक कांच की कोठी के अन्दर कैद कर लिया जाये। और उसे कैद करने की सारी तैयारी की जाती है।

इतने मे ओनाड़ सिंह आ जाते है। और उसे वहां से अदाज करके ले जाते है। और ~~वो~~ वह जब वन मे जाते है तो स्त्री को एक नाग डंक मारता है और उसकी मृत्यु हो जाती है इतने मे शिव-पार्वती प्रावति वहां पहुंच जाते है। और उस को दोबारा जीवन प्रदान करते है वो पांच साल ओनाड़सिंह के जीवन के उस स्त्री को देते है। और फिर से जीवित हो जाती है। और वो दोनों एक गांव की और चलते है। वहां कुरुक्ष रावलिये आये हुए होते है। तो वह भी देखने के लिए जाते है।

वह भी नाच करने लगती है। और एक आदमी से ओनाड़ सिंह को मारने को बोलती है जैसे ही वह ओनाड़ सिंह को देखता है वह अपना होश खो देता है और वह स्त्री उन लोगो से केहती है आप मुझे खाना खिलाते रहना मैं आपके लिए नाच गाना करती रहूंगी, रात के समय मे वह ओनाड़ सिंह को एक कुएं मे फेंक देती है। और रावलियो के साथ चली जाती है। कुछ समय मे लखी बनजारा वहां पहुंच जाते है और ओनाड़ सिंह को कुएं से निकाल कर अपना धर्म पुत्र बना लेते है।

लखी बनजारा उसे अपने बेटे से भी अधिक प्रेम करते हैं एक दिन दोनो गांव की तरफ निकलते है और देखते कि वहां कुछ रावलिये आये हुए है लखी बनजारा उससे केहते है ये लो हीरा-मोती और अगर कम पड़ जाए तो फिर आके ले जाना। वह रावलियो को देखने चला जाता है। और सारे हीरे-मोती उस पर उड़ा देता है सुबह के टाइम मे हीरे-मोती खत्म हो जाते है तो उनके हाथ में सवा लाख का ~~मुन्द~~ मुन्दड़ा होता है वह भी उसे दे देता है। तो वह स्त्री उसे पेहचान लेती है। कि यह मुन्दड़ा तो मेरे पति के पास होता है।

वह उसे पेहचानने के बाद पेट दर्द का नाटक करके केहती है इस आदमी ने मेरे नजर लगा दी है। तो वह बोलता है कि तुमको पता है मैने ही तुमको नजर लगाई है। तो वह स्त्री केहती है हा तुमने ही नजर लगाई है तो वह केहता है एक शर्त पर मैं मानने को तैयार हूं कि तुमने ही ~~मे~~ तुम्हारे नजर लगाई है स्त्री केहती है शर्त बताओ तो वह केहता है कि तुम अपने मुंह से कहो मैंने तुम्हारे ढाई साल वापस दिए तो स्त्री केहती है हा दिये और इतना केहते ही वह खत्म हो जाती है और राज कुमार ओनाड़सिंह वहां से रवाना हो जाता है। और फिर वह अपने घर वापस आ जाता है।